13.5.24

Pg. 1 b+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल')

भाग 2

पुस्तक- नवतरंग- 8

सुप्रभात बच्चो,

आज हम हिंदी साहित्य की पुस्तक नवतरंग-8 के पृष्ठ-1 पर दी गई कविता 'शब्द बड़े अनमोल' को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 13.5.24 को भेजा जा रहा है।

सब बच्चे कविता को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे, समझेंगे और अर्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

पाठ परिचय:- 'शब्द बड़े अनमोल' नामक कविता में कवि दीपक गोस्वामी ने हमारे सामाजिक जीवन में शब्दों के महत्त्व पर टिप्पणी की है। उन्होंने बताया है कि हमारी दुनिया शब्दों से भरी है तथा शब्दों से ही चलती है। एक पहलू ऐसा है कि शब्दों के बोलने लोग प्रसन्न होकर ताली बजाते हैं, वहीं दूसरी ओर शब्दों को सुनकर रोष प्रकट करते हैं। यदि शब्दों के द्वारा क्रोध का भाव उत्पन्न होता है, वहीं शब्द प्रेम भी जगा सकते हैं। अतः मनुष्य को बोलते समय शब्दों का प्रयोग सोच- समझकर करना चाहिए।

सब बच्चे धीरे- धीरे कविता को उच्च स्वर में पढ़ेंगे।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

13.5.24

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल')

1. भैया ! शब्द बड़े अनमोल।
भैया ! तोल-मोल के बोल।

शब्दों से संसार भरा है,
इनमें प्रेम अपार धरा है।
मीठे बोल हृदय हर्षाते,
कड़वे देते उर विष घोल।
भैया ! शब्द बड़े अनमोल।

अर्थ:- इस पद्यांश में कवि ने 'भैया' शब्द का प्रयोग हम सबके लिए किया है। वे यह बताना चाहते हैं कि शब्द बहुत अनमोल अर्थात् कीमती होते हैं क्योंकि इनसे (शब्दों से) दूसरों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अत: प्रत्येक मनुष्य को बोलते समय अपने शब्दों को तोल-मोल अर्थात् सोच-समझकर ही व्यक्त करना चाहिए।

यह संसार शब्दों से भरा है। ये शब्द असीमित प्रेम से भरे हैं। ये शब्द ही हैं जो दूसरों पर गहन प्रभाव छोड़ते हैं। मीठे शब्द या मीठी वाणी जब दूसरों के मुख से सुनने को मिलती है तो श्रोता के हृदय को हर्षित करती है, इसलिए बच्चो, हमें हमेशा मीठी वाणी बोलनी चाहिए क्योंकि मधुर वचन लोगों के कानों में मिश्री घोल देते हैं, इसके विपरीत कड़वे शब्द लोगों को विष के समान कर्णकटु लगते हैं जिनसे सुनने वाले के हृदय को ठेस पहुँचती है। यह सब बोलने वाले पर निर्भर करता है कि वह बोलते समय कैसे शब्दों का प्रयोग कर रहा है ! इसीलिए कवि

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल')

ने शब्दों को अनमोल बताया है। अतः मनुष्य को शब्दों का प्रयोग सोच-विचार करके ही करना चाहिए।

अंत में कवि के कहने का अभिप्रायः यही है कि हमें सबके समक्ष मीठे वचन ही बोलने चाहिए। कविता के आधार पर कुछ प्रश्न दूँगी।

प्रश्न-1 अनमोल का क्या अर्थ है?

उत्तर- अनमोल का अर्थ है बेशकीमती। जिसका मूल्य आँका न जा सके।

प्रश्न-2 'भैया! शब्द बड़े अनमोल' इस पंक्ति में कवि भैया किसे कह रहा है?

उत्तर- कवि ने 'भैया' शब्द का प्रयोग मनुष्य के लिए किया है अर्थात् हम सबके लिए किया है।

प्रश्न-3 कैसे शब्द मन को हर्षाते हैं?

उत्तर- मीठे शब्द मन को हर्षाते हैं। तभी कबीरदास जी ने कहा है — ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय॥

मधुर भाषण से हम सबको खुशी मिलती है। अतः हम सबको मीठा ही बोलना चाहिए।

कठिन शब्दों के अर्थ:-

अनमोल - जिसका मूल्य न आँका जा सके

तोल-मोल के - सोच-समझकर

संसार - दुनिया

अपार - जिसकी सीमा न हो

धरा - रखा

बोल - वचन

हृदय - मन

उर - हृदय, मन

हर्षाते - खुश करते

विष - ज़हर

Tutorial

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

13.5...24

Pg 4 D+

कक्षा- आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल')

2. शब्द खूब किलोल हैं करते,
वचन तोतले मन को हरते।
छोटे मुख की ज्ञानी बातें,
आँखें बहुत रही हैं खोल।
भैया! शब्द बड़े अनमोल।

बच्चो, इस काव्य खंड में कवि का आशय यह है कि शब्दों के द्वारा मनुष्य किसी व्यक्ति की प्रशंसा करता है। जिसे सुनकर प्रत्येक श्रोता को अपार खुशी मिलती है। छोटे बच्चों के मुख से निकलने वाले तोतले शब्द, सुनने वाले के मन को मोह लेते हैं। कभी-कभी छोटे बच्चे इतनी बड़ी और गहरी बात कह जाते हैं, जिन्हें सुनकर हमारी आँखें खुली की खुली रह जाती हैं। जो लोग अज्ञानी हैं, अंधकार में जीते हैं, वे भी ज्ञानपूर्ण शब्दों को सुनकर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इसीलिए हमें शब्दों का प्रयोग सोच-विचार कर ही करना चाहिए क्योंकि ये बहुत अनमोल होते हैं।

बच्चो! हर काव्य-खण्ड के बाद शब्दों के अर्थ मैं बताती जाऊँगी। शब्दार्थ:-
किलोल - खुशी का भाव, उल्लास।
हरते - हर्षित करते। मन - हृदय

3. ये शब्द तो धार भी धरते,
तीखे-तीखे वार हैं करते।

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

13.5.24

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल')

नित-नित खुलते नव घोटाले,
कैसे खुलती सबको पोल।
भैया! शब्द बड़े अनमोल।

कवि कहते हैं कि कभी-कभी हमारे मुख से निकले शब्द इतने पैने होते हैं जो सुनने वाले के हृदय पर आघात करते हैं। जिस प्रकार किसी के शरीर को तीखे हथियार से चोटिल किया जाता है, उसी प्रकार शब्दों के तीखे बाणों से दूसरे मनुष्य के हृदय को छेद दिया जाता है। इन्हीं शब्दों की बदौलत नित्य होने वाले घोटालों की पोल लोगों के सामने खोली जा सकती है। शब्द, सच्चाई को सामने लाने में सहायक होते हैं। यही कारण है कि कवि ने शब्दों का महत्व बताते हुए उन्हें अनमोल बताया है।

शब्दार्थ:-

धार-पैना, तेज़। नित्य-हर रोज़।
वार- आक्रमण, प्रहार, चोट पहुँचाना।
नव - नए। घोटाले - घपला, गड़बड़ी।

प्रश्नोत्तर:-

प्रश्न-1 कैसे शब्द हृदय को अच्छे लगते हैं?
उत्तर- मुख से बोले गए मधुर शब्द हृदय को बहुत अच्छे लगते हैं। मीठे शब्द मन में मीठा रस घोल देते हैं।

प्रश्न-2 कविता में किसकी महत्ता बताई गई है?

(पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

13.5.24

 D+

कक्षा- आठवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल')

उत्तर-2 कविता में शब्दों की महत्ता बताई गई है। मीठे शब्दों को बोलकर हम सारी दुनिया पर अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। वहीं कड़वे शब्द हमें समाज से दूर कर देते हैं। अतः शब्दों की हमारे जीवन में अहम् भूमिका है।

प्रश्न-3 शब्दों को हथियार बनाकर लोग क्या कर देते हैं?
उत्तर- शब्दों को हथियार बनाकर लोग दूसरों के मन को चोट पहुँचाते हैं। अतः सोच-समझकर ही बोलना चाहिए।

बच्चो! अब हम इस पाठ को यहीं तक पढ़ेंगे। पाठ का शेष भाग अगले सप्ताह पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:- सब बच्चे कराए गए कार्य को ध्यान पूर्वक पढ़ेंगे, समझेंगे। शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-6)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner